24 NEWS UPDATE

ई-न्यूज
24 न्यूज अपडेट

WebSite.: https://24newsupdate.in

उदयपुर, मंगलवार 28 मई 2024

Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com

वर्ष 1 अंक 87

राजस्थान में भीषण गर्मी से पति-पत्नी समेत 13 की मौत

सरकारी मकान में अचेत मिला हेड कॉन्स्टेबल; लू से अब तक 48 की जान गई

24 न्यूज अपडेट

जयपुर. राजस्थान में मंगलवार को भीषण गर्मी से 13 लोगों की जान चली गई। टोंक में पति-पत्नी समेत 5 लोगों की मौत हुई है। इनमें से तीन की चमड़ी धूप से झुलसी हुई थी। पाली में भी एक हेड कॉन्स्टेबल अपने सरकारी मकान में अचेत मिला। बताया जा रहा है कि उसकी भी मौत गर्मी से हुई है। उदयपुर जिले के कुराबड़ थाना क्षेत्र के छोटा भल्लो का गुड़ा निवासी वार्ड पंच दुर्गा गमेती (26) बकरियां चराने गई थीं। जहां तेज गर्मी से उन्हें चक्कर आए और गड्ढे में गिर गईं।उनके पति उन्हें उदयपुर के निजी हॉस्पिटल लेकर गए, जहां इलाज के दौरान मौत हो गई। वार्ड पंच घनश्याम सालवी ने बताया- गर्मी की वजह से ही दुर्गा की मौत हुई है। वहीं, पुलिस का कहना है कि परिजन गर्मी से ही मौत बता रहे हैं, लेकिन पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही कुछ कहा जा सकता है।

जयपुर में 22 साल का स्टूडेंट परीक्षा देकर जैसे ही कॉलेज से बाहर निकला तो बेहोश होकर गिर गया। उसे तुरंत मालवीय नगर के जयपुरिया हॉस्पिटल लेकर गए। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। हॉस्पिटल में इमरजेंसी के इंचार्ज डॉक्टर रवींद्र के अनुसार स्टूडेंट कपिल को जब हॉस्पिटल लाया गया, तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। डॉक्टर के अनुसार, गर्मी के कारण ही उसकी तबीयत खराब हुई थी।

वहीं, उदयपुर में महिला वार्ड पंच की जान चली गई। परिजन ने बताया- चक्कर आने से वह गड्ढे में गिर गई थीं। उन्हें इलाज के लिए उदयपुर के एमबी हॉस्पिटल में लेकर आए थे। इनके अलावा बारां व भरतपुर में दो-दो और पाली में एक अन्य व्यक्ति की मौत हो गई। लू और गर्मी से छह दिन में अब तक 48 लोगों की जान गई है। हालांकि, इन सभी मौत को लेकर डॉक्टरों का कहना है कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का पता चल पाएगा। कुछ मौत चिकित्सा विभाग हार्ट अटैक से भी बता रहा है। नौतपा के चौथे दिन भी सूरज के तेवर पिछले दिनों की तरह ही तल्ख हैं। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे के लिए 20 जिलों में रेड अलर्ट, जबकि जयपुर समेत प्रदेश के 5 जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। भरतपुर शहर के अटल बंद थाना इलाके में एक व्यक्ति का शव एक खाली पड़े प्लॉट में पड़ा मिला। स्थानीय लोगों का कहना है कि, व्यक्ति की मौत गर्मी के कारण हुई है। पाली में हेड कॉन्स्टेबल रतनलाल मीना की बॉडी मंगलवार शाम को पुलिस लाइन में उसके सरकारी क्वार्टर में मिली। सूचना मिलने पर पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। परिजनों का कहना है कि गर्मी की वजह से उनकी जान गई। वहीं पुलिस अधिकारियों ने बताया कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारण का खुलासा होगा। मृतक पुलिस लाइन में तैनात था। टोंक जिले में 24 घंटे में पति-पत्नी समेत 5 लोगों की मौत हो गई। इनमें से पति-पत्नी व एक चरवाहे की चमड़ी धूप से झुलसी हुई नजर आई। ग्रामीणों और परिजनों ने गर्मी और लू की चपेट में आने से मौत बताई है। उधर पुलिस ने 4 शवों के पोस्टमार्टम करवा कर परिजनों को सौंप दिए। जबकि पांचवें शव का परिजनों ने पोस्टमार्टम नहीं करवाया। मृतकों में घाड़ थाना क्षेत्र के सरोली निवासी रामलाल गुर्जर (60) पुत्र उद्दा लाल गुर्जर, थली निवासी उमराव सिंह (73) पुत्र रतन सिंह और उनियारा थाना क्षेत्र के गोडों की झोपड़ियां निवासी देवा (75) पुत्र रामकुमार कुशवाह, लांबाहरिसिंह थाना क्षेत्र के लड़ी हाल निवासी आटोन निवासी जेतु मोग्या (55) पुत्र चंदा मोंगिया व उसकी पत्नी रूपा मोग्या (50) शामिल है। बीकानेर में कांग्रेस नेता आजम खान और आनन्द सिंह सोढ़ा के नेतृत्व में बिजली कंपनी बीकेईएसएल के ऑफिस में विरोध प्रदर्शन किया गया। बीमार आजम खान को घर पर ड्रिप चढ़ाई जा रही थी। इसी दौरान उनकी घर की लाइट चली गई। इस पर वे ड्रिप के साथ ही बीकेईएसएल ऑफिस पहुंच गए। यहां वे एईएन की टेबल पर ही लेट गए। इस दौरान उनके साथ आए समर्थकों ने उसी टेबल पर लेटे-लेटे उनके ड्रिप भी चढ़ा दी। भरतपुर शहर के सुभाष नगर में एक युवक का शव सड़क पर पड़ा मिला। पिता हजारी लाल ने बताया कि बेटा ब्रजेश कुमार (24) सोमवार सुबह 8 बजे तारीख पर निकला था। इसके बाद वह घर नहीं लौटा। मंगलवार सुबह पुलिस से सूचना मिली। बारां जिले के हरनावदाशाहजी क्षेत्र में दो लोगों की मौत हो गई। परिजनों का कहना है कि गर्मी की वजह से जान चली गई है।

कोटा में दोपहर 12 से 3 बजे तक कोचिंग सेंटर रहेंगे बंद

गर्मी को देखते हुए कोटा में कोचिंग क्लासेज के समय में बदलाव किया गया है। कलेक्टर डॉ. रविंद्र गोस्वामी ने बताया- गर्मी और हीटवेव के कारण दोपहर 12 से 3 बजे तक सभी कोचिंग सेंटर में क्लासेज और अन्य गतिविधियों के संचालन नहीं करने के आदेश दिए हैं।

सरस डेयरी का बूथ जला

अजमेर के वैशाली नगर स्थित सरस डेयरी बूथ के डीप फ्रिज में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। बूथ संचालक नारायण ने बताया- गर्मी के चलते डीप फ्रिज वैसे ही गरम हो रहा था। इस दौरान शॉर्ट सर्किट हुआ और भीषण आग लग गई। आग लगने से 5 मिनट पहले ही वह पास के दुकानदारों को चाय देने गया था। बालोतरा में गर्मी से 26 भेड़ों की मौत भीषण गर्मी में तबीयत बिगड़ने के बाद 26 भेड़ों की मौत हो गई। घटना बालोतरा जिले के किटनोद गांव में सोमवार दोपहर को हुई। एक के बाद एक भेड़ों को जमीन पर बेहोश होकर गिरते देख पशुपालकों के होश उड़ गए। सूचना पर पहुंचे पशु चिकित्सकों ने इलाज शुरू किया तो 15 भेड़ों की जान बच गई।

सुनसान सड़कों पर खिलौना पिस्तौल दिखाकर लूट की वारदात करने वाली गैंग का पर्दाफाश, 4 आरोपी गिरफ्तार

24 न्यूज अपडेट

जयपुर. राजधानी की बगरू थाना पुलिस ने रात के समय सुनसान सड़कों पर राहगीरों को खिलौना पिस्तौल दिखाकर लूट की वारदात करने वाली गैंग का पर्दाफाश किया है. पुलिस ने 4 आरोपियों को बापर्दा गिरफ्तार किया है. आरोपी खिलौना पिस्तौल की नोक पर डरा धमकाकर मोबाइल फोन और नगद रुपए लूटकर फरार हो जाते थे. पेट्रोल पंपों से कार में ईंधन भरवाकर बिना रुपए दिए ही फरार हो जाते थे. आरोपी अपनी पहचान छुपाने के लिए लूट किए गए मोबाइल फोन से ही ओला ऐप पर कार बुक करके कार चालक को सुनसान जगह ले जाकर उसके साथ मारपीट करके लूट की वारदात करते थे ।

डीसीपी वेस्ट अमित कुमार के मुताबिक

27 मई को परिवादी राकेश ने रिपोर्ट दर्ज करवाई थी कि 24 मई को रात करीब 7:45 बजे जेसीबी सर्कल के पास किराना की दुकान से दही लेकर पैदल वापस मकान पर जा रहा था. रास्ते में सुनसान सड़क पर सामने से एक कार आई. कार पर नंबर नहीं लिखे हुए थे ।

कार बराबर आकर रुकी और पीछे बैठे दो लोग उतरकर आए. जिनमें से एक व्यक्ति ने पिस्तौल जैसा हथियार दिखाकर डराया. डरा धमकाकर रुपए और मोबाइल फोन निकाल लिए. पीड़ित के मोबाइल फोन के साथ ही 2500 नगदी और आधार कार्ड भी लूट कर ले गए । लूट करने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए. पुलिस ने मामला दर्ज करके जांच पड़ताल शुरू की. मामले की गंभीरता को देखते हुए एडिशनल डीसीपी वेस्ट नीरज पाठक और एसीपी बगरू अमीर हसन के निर्देशन में बगरू थाना अधिकारी हरिशचंद्र सोलंकी के नेतृत्व में स्पेशल टीम का गठन किया गया. शराब पीने और मौज मस्ती के लिए करते थे लूटः आरोपियों ने मानसरोवर जयपुर से एक ओला कैब बुक करवाई थी. सेज थाना इलाके में जाकर ओला कैब की आरसी, चालक का पैन कार्ड, आधार कार्ड, नगदी समेत अन्य सामान लूटकर ले गए थे. ओला कैब चालक को रास्ते में पटक कर फरार हो गए थे. ओला कैब के टायरों के व्हील कैप उतार कर अपनी कार में लगा लिए थे. आरोपी शराब पीने और मौज मस्ती के लिए लूट की वारदातों को अंजाम देते थे. आरोपियों से पूछताछ की जा रही है. पूछताछ में और भी कई वारदातों का खुलासा होने की संभावना है ।

ब्रिटिश साइंटिस्ट का दावा - फिर कोरोना जैसी महामारी आना तयःबोले- दुनिया इसका सामना करने के लिए तैयार नहीं, जनता इसे चुनावी मुद्दा बनाए

24 न्यूज अपडेट

लंदन. ब्रिटिश सरकार के पूर्व चीफ साइंटिस्ट एडवाइजर पैट्रिक वालेंस ने एक और महामारी की चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि कुछ ही समय के बाद एक और महामारी का आना तय है। पूर्व वैज्ञानिक सलाहकार ने आने वाली सरकार को इस पर ध्यान देने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि कोरोना जैसी स्थिति से निपटने के लिए हमें तैयार रहने की जरूरत है। उन्होंने इस बात पर जोर देते हुए कहा कि अभी तक हम महामारी का सामना करने के लिए तैयार नहीं हुए हैं। ब्रिटिश वेबसाइट द गार्जियन की रिपोर्ट के मुताबिक, एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वालेंस ने कहा कि हमें शुरुआत में ही खतरों का पता लगा लेने के लिए बेहतर निगरानी तंत्र स्थापित करने की जरूरत है। महामारी से निपटने के उपाय बताए वालेंस ने कहा कि ये सही समय है जब देश में चुनाव चल रहे हैं। चुनाव में महामारी के खतरे को मुद्दा बनाया जाना जरूरी है। उन्होंने चुनाव के बाद आने वाली सरकार से महामारी की स्थिति में तेज डायग्नोस्टिक टेस्ट, जल्दी वैक्सीन उपलब्ध कराने जैसी चीजों पर काम करने की सलाह दी है। वालेंस ने 2021 में G7 देशों के नेताओं की बैठक में कहा था कि महामारी के खिलाफ एकजुट होने की जरुरत है। इसके लिए हमें तेजी से रैपिड डायग्नोस्टिक टेस्ट, रैपिड वैक्सीन और रैपिड ट्रीटमेंट करने होंगे ताकि खतरे को कम किया जा सके। वालेंस ने अफसोस जताते हुए कहा कि 2023 तक G7 ने उनकी सलाह को भुला दिया। उन्होंने कहा कि यदि G7 या फिर G20 देशों के एजेंडे से महामारी का मुद्दा हटा दिया जाता है तो फिर स्थिति पहले जैसी हो सकती है। उन्होंने कहा कि महामारी से युद्ध की तरह ही निपटा जाना चाहिए।

केजरीवाल की जमानत पर तत्काल सुनवाई से SC का इनकार

कहा- CJI फैसला लेंगे; मेडिकल ग्राउंड पर 7 दिन बेल बढ़ाने की मांग की थी

24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार, 28 मई को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की अंतरिम जमानत पर तत्काल सुनवाई करने से इनकार कर दिया। दिल्ली सीएम ने मेडिकल ग्राउंड पर एक जून तक मिली अंतरिम जमानत को 7 दिन बढ़ाने की मांग की थी। जस्टिस जेके माहेश्वरी और जस्टिस केवी विश्वनाथन की वेकेशन बेंच ने कहा कि अंतरिम जमानत बढ़ाने का फैसला CJI करेंगे, क्योंकि मुख्य मामले में केजरीवाल के खिलाफ फैसला सुरक्षित है। केजरीवाल की तरफ से वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने दलीलें रखीं। केजरीवाल को ED ने शराब नीति से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में 21 मार्च को गिरफ्तार किया था। 50 दिन जेल में रहने के बाद उन्हें 10 मई को जमानत मिली थी। उनकी 21 दिन की जमानत 1 जून को खत्म हो रही है।

लोकल कोर्ट में ED की सप्लीमेंट्री चार्जशीट पर सुनवाई 4 जून को

दिल्ली की लोकल कोर्ट ने 28 मई को केजरीवाल के खिलाफ ED की सप्लीमेंट्री चार्जशीट पर संज्ञान लेने के अपने आदेश को 4 जून तक सुरक्षित रख लिया है। ED ने 17 मई को राउज एवेन्यू कोर्ट में 18वीं सप्लीमेंट्री चार्जशीट दाखिल की थी, जिसमें केजरीवाल और AAP को आरोपी बनाया था।

संपादकीयः लापरवाही के लाक्षागृह

गमी के मौसम में आग लगने की आशंका अधिक बनी रहती है। खासकर जब तापमान अधिक होता है, तो बिजली के तारों के पिघल कर आपस में चिपकने और जल उठने का खतरा ज्यादा होता है। ऐसे में सार्वजनिक स्थानों और भीड़भाड़ वाले भवनों में आग लगने की स्थिति में बचाव के उपायों पर विशेष ध्यान रखने की उम्मीद की जाती है। मगर अपने व्यावसायिक हितों को सबसे ऊपर रखने वाले परिसरों में अक्सर ऐसे उपायों के मामले में लापरवाही देखी जाती है। इसी का नतीजा है कि ऐसी जगहों पर आग लगने से बड़े पैमाने पर जान-माल का नुकसान उठाना पड़ता है। गुजरात के राजकोट और दिल्ली के एक शिशु अस्पताल में लगी आग की घटनाएं इसका ताजा उदाहरण हैं। राजकोट के एक खेल क्षेत्र में आग लगने से बारह बच्चों समेत अट्ठाईस लोगों की मौत हो गई। दिल्ली के शिशु अस्पताल में नवजात शिशु देखभाल में रखे गए सात बच्चे मर गए और पांच गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों जगहों पर हादसे और इतनी बड़ी संख्या में हुई मौतों की वजहें समान हैं। दोनों जगहों पर आपातकालीन निकास निहायत संकरा था। अग्निशमन संबंधी अनापत्ति प्रमाण पत्र नहीं लिया गया था। वहां लापरवाही पूर्वक ज्वलनशील पदार्थों का भंडारण किया गया था। ऐसा नहीं कि जिन जगहों पर ये हादसे हुए, वहां के प्रबंधकों को दूसरी जगहों पर हुए हादसों की जानकारी नहीं थी, फिर भी वे सुरक्षा उपायों को लेकर इतने लापरवाह कैसे थे, समझ से परे है। राजकोट के जिस खेल क्षेत्र में आग लगी, वहां बताया जा रहा है कि लकड़ी, कपड़े, थर्मोकोल, प्लास्टिक की चादरों आदि से भवन खड़ा कर लिया गया था। नीचे की मंजिल पर बड़ी मात्रा में पेट्रोल और डीजल का भंडारण किया गया था। वहां चल रहे निर्माण कार्य के चलते कोई चिनगारी छिटकी और ज्वलनशील पदार्थों के संपर्क में आकर पूरे भवन को आग के आगोश में दे दिया। दिल्ली के अस्पताल में भी ऐसे ही कारण पता चले हैं। नीचे की मंजिल पर गैरकानूनी तरीके से आक्सीजन के सिलिंडर भरे जा रहे थे, जिनमें विस्फोट हुआ और पूरा अस्पताल आग की लपटों में समा गया। अब इन हादसों को लेकर प्रशासन सक्रिय हुआ है, इन घटनाओं के लिए जिम्मेदार माने जाने वालों को गिरफ्तार कर लिया गया है। मगर इससे फिर भी यह भरोसा नहीं बनता कि ऐसे भवनों में सुरक्षा संबंधी उपाय पुख्ता किए जा सकेंगे। आखिर इसकी जवाबदेही कैसे तय होगी कि किसी व्यावसायिक परिसर या भवन का निर्माण करते समय उसके सुरक्षा मानकों की जांच क्यों नहीं की जाती। कैसे किसी टीन-टप्पर, लकड़ी-प्लास्टिक से बने किसी ढांचे में भीड़भाड़ वाली गतिविधियां चलाई जा सकती हैं। फिर, निजी तौर पर चलाए जा रहे अस्पतालों, बारात घर, स्कूल, होटल, रेस्तरां, बाजार, मनोरंजन स्थलों आदि में किस स्तर तक आग जैसी घटनाओं से सुरक्षा के उपायों पर गंभीरता से ध्यान दिया जाता है। हर साल ऐसी गंभीर घटनाएं हो जाती हैं, तब प्रशासन कुछ सक्रिय दिखता है, ऐसी घटनाओं पर अंकुश लगाने के वादे किए जाते हैं, मगर फिर वहीं ढाक के तीन पात। हर ऐसे बड़े हादसे में वजहें भी एक जैसी होती है। आपातकालीन निकास का समुचित प्रबंध न होना, बिजली के उपकरणों का रखरखाव ठीक न होना, अग्निशमन व्यवस्था का निष्क्रिय होना आदि। हैरानी की बात है कि इस बुनियादी उपायों पर भी नजर रखने में लापरवाही क्यों बरती जाती है।

फीकी पड़ती चमक

क्रिकेट की दुनिया में जब इंडियन प्रीमियर लीग यानी आइपीएल की शुरुआत हुई, तो इसकी गुणवत्ता में बढ़ोतरी की उम्मीद की गई थी। मगर इस पर जिस कदर चकाचौंध हावी होता गया, उससे लगता है कि इस खेल को कारोबार और कमाई का एक जरिया बना लिया गया। इसके समांतर यह भी सच है कि इससे क्रिकेट और इसके प्रति लोगों के भीतर आकर्षण में अब वह स्तर नहीं दिखता, जो कभी इसकी खासियत होती थी। एक समय जिस क्रिकेट के सभी पहलुओं में कलात्मकता की ऊंचाई कायम करने की कोशिश की जाती थी और दर्शक से लेकर विश्लेषक तक इसमें तुलनात्मक प्रदर्शन, खेल की कला पर बात करते थे, अब आइपीएल के हावी होने के बाद क्रिकेट को एक रफ्तार के खेल की तरह देखा जाने लगा है। पहले जहां टीम के साथ भावनाएं जुड़ी होती थीं और उसकी जीत-हार को खेल भावना के साथ स्वीकार किया जाता था, वहीं अब यह पसंद किसी खास खिलाड़ी, उसे नीलामी में मिली ऊंची कीमत और फिर निजी प्रदर्शन तक सिमटती जा रही है। अब लोगों को यह उम्मीद होती है कि उनके पसंदीदा खिलाड़ी को ज्यादा से ज्यादा कीमत में कोई टीम खरीदे, वह खूब चौके-छक्के मारे या बहुत तेज रफ्तार से गेंद फेंके। बेशक इस आयोजन की वजह से बहुत सारे नए प्रतिभावान खिलाड़ियों को भी मौका मिला है, लेकिन दर्शकों की अपेक्षाओं और बाजार की जरूरतों के मुताबिक मैदान में खिलाड़ियों पर दबाव बढ़ा है और निरंतरता की गुंजाइश घटी है। टैस्ट या एकदिवसीय मैचों के बरक्स बीस ओवर के मैचों में क्रिकेट की कलात्मकता और प्रयोगधर्मिता पीछे छूट रही है और सिर्फ आक्रामक प्रदर्शन की मांग बढ़ी है। इसके अलावा, सट्टेबाजी जैसी अवांछित गतिविधियों ने भी क्रिकेट प्रेमियों को निराश किया है। ऐसे में क्रिकेट को जिस तरह चकाचौंध के कारोबार का जरिया बनाया गया है, उसमें क्रिकेट अब बाजार-आधारित खेल बन रहा है। यह बेवजह नहीं है कि आइपीएल जैसे आयोजन की चमक अब धुंधली पड़ती जा रही है।

पुलिस ने दर्ज नहीं की पुलिस अधिकारी की रिपोर्ट तो कोर्ट से इस्तगासा, पूर्व विधायक बिधूड़ी सहित 3 लोगों पर एफआईआर

24 न्यूज अपडेट

desk24newsupdate@gmail.com

24 न्यूज अपडेट चित्तौड़गढ़। चित्तौड़गढ़ के बेगूं से विधायक रहे राजेंद्र सिंह बिधूड़ी के खिलाफ रिटायर्ड एडिशनल एसपी ने इस्तगासे के जरिए मामला दर्ज करवाया है। पूर्व विधायक सहित 3 लोगों के खिलाफ 3 साल पहले किडनैप करने की कोशिश और लूट का प्रयास करने का मामला दर्ज किया गया। रिपोर्ट में बताया गया कि पूर्व विधायक बिधूड़ी और उनके साथियों ने गंगरार में पीड़ित के जमीन पर चलते काम को रोका व विधायक का प्रभाव होने से पुलिसकर्मियों ने मामला ही दर्ज नहीं किया। पूर्व एडिशनल एसपी पूरन सिंह पुत्र मदन सिंह भाटी ने पुलिस की ओर से मामला दर्ज नहीं करने पर इस्तगासा पेश किया। इकसे बाद राजेंद्र सिंह बिधूड़ी पुत्र हरिवंश सिंह गुर्जर निवासी रावतभाटा, देवड़ा गंगरार निवासी पप्पूलाल पुत्र चतरू गुर्जर, लाडुपुरा गंगरार निवासी रतन जाट पुत्र परशु जाट के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। बताया गया कि गंगरार में मनोहर कॉटन फैक्ट्री की जमीन पर गोपाल सिंह भाटी का परिवार रहता है। जमीन पूरन सिंह भाटी की है। करीब 3 साल पहले फैक्ट्री की तारबंदी टूट जाने से ठेकेदार सीमेंट के खंभे और पट्टियों से चारदीवारी बना रहे थे। 21 अगस्त 2021 को कंपनी का कर्मचारी जगदीश प्रसाद बाउंड्री का काम देखने गंगरार आया। इस दौरान एक व्यक्ति आया और बोला कि तत्कालीन एसडीएम नरेश गुर्जर बुला रहे हैं। कर्मचारी जगदीश प्रसाद और चार्टर्ड अकाउंटेंट राकेश राठी एसडीएम के पास गए। पूर्व विधायक राजेंद्र सिंह बिधूड़ी जहां काम चल रहा था वहां पर पहुंचे और गाली गलौज लगे। रिटायर्ड एडिशनल एसपी से आरोप है कि मारपीट करने लगे। अन्य लोग समर्थकों के साथ मौके पर आ गए व भाटी का आरोप है कि किडनैप कर उनके हाथ से मोबाइल छीन लिया। इसके बाद मौके पर पुलिस जाप्ता आया तो पुलिस जीप में बैठाकर थाने ले गए। वहां भी पूर्व विधायक समर्थकों के साथ आए व थाना अधिकारी की कुर्सी पर बैठकर गालियां दी। तत्कालीन डीएसपी कमल कुमार और तहसीलदार आसपास की कुर्सियों पर बैठे रहे। विधायक बिधूड़ी ने भीलवाड़ा की जमीन छीनने की भी धमकी दी। 6 घंटे तक थाना अधिकारी की अनुपस्थिति में बैठाकर रखा। इसके अलावा डीएसपी को पूरण सिंह को जेल में बंद रखने की हिदायत भी दी। रतन जाट के साथ षड्यंत्र रचकर कंपनी की जमीन हड़पने के नियत से पहले फैक्ट्री और बाद में थाने में रिटायर्ड ऑफिसर के साथ गलत व्यवहार किया गया। 25 अगस्त को जब थाने में मामला दर्ज करवाना चाहा तो राजेंद्र सिंह बिधूड़ी के डर से किसी भी पुलिसकर्मी ने मामला दर्ज करने की हिम्मत नहीं की। इस मामले में तत्कालीन डीएसपी कमल प्रसाद और थाना अधिकारी एसएचओ शिवराज गुर्जर को पहले ही सस्पेंड कर दिया गया था।

व्यस्त बाजार में चोरों ने तोड़े 5 कार्यालयों के ताले

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट. डूंगरपुर। कोतवाली थाना क्षेत्र में सैफी कॉम्प्लेक्स में सोमवार रात चोरों ने 5 ऑफिस को निशाना बनाया। तहसील चौराहे के पास स्थित कार्यालयों के ताले तोड़ मगर ऑफिस से चोरों के कुछ ज्यादा हाथ नहीं लगा। घटना को लेकर व्यापारियों में आक्रोश है। बताया गया कि सैफी कॉम्प्लेक्स में चोरों ने दो फाइनेंस, दो ट्रेवल्स और एक ड्रग डिस्ट्रिब्यूटर ऑफिस के ताले तोड़ दिए। उनके हाथ करीब 2 हजार की नगदी लगी। सुबह जब ट्रेवल्स कंपनी का सफाईकर्मी आया, तब घटना का पता चला। इस पर सभी व्यापारियों को चोरी की खबर लगी तथा सभी व्यापारी मौके पर पहुंचे। व्यापारियों ने तत्काल कोतवाली थाना पुलिस को चोरी के बारे में सूचना दी। इस पर शहर कोतवाल भगवान लाल मौके पर आए और घटनास्थल का जायजा लिया। व्यापारियों से भी नुकसान के बारे में जानकारी ली। व्यापारियों ने कहा कि शहर के व्यस्तम क्षेत्र में भी यदि चोरी की घटना होती है तो यह पुलिस पर ही प्रश्नचिन्ह है।

पिम्स हॉस्पिटल उमरड़ा में उन्नत टीएमएस न्यूरोस्टिमुलेशन टेक्नोलॉजी लैब का उद्घाटन

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। पेसिफिक इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, पिम्स हॉस्पिटल, उमरड़ा में एक अद्वितीय पहल की शुरुआत करते हुए अपनी नवाचारी उन्नत टीएमएस (ट्रांसक्रेनियल मैग्नेटिक स्टिमुलेशन) न्यूरोस्टिमुलेशन टेक्नोलॉजी लैब का उद्घाटन किया। लैब का उद्घाटन चैयरमेन आशीष अग्रवाल, शीतल अग्रवाल और अव्य अग्रवाल की उपस्थिति में पिम्स के एक्ज्यूकेटिव डायरेक्टर नमन अग्रवाल द्वारा किया गया। समारोह में विभिन्न अतिथियों को सम्मानित किया गया। इनमें प्रसिद्ध मनोचिकित्सक और संज्ञानात्मक न्यूरोसाइंटिस्ट प्रोफेसर प्रवीण खैरकर शामिल हैं, जो मनोचिकित्सा और संज्ञानात्मक न्यूरोसाइंस विभाग के प्रमुख हैं। प्रोफेसर खैरकर, प्रसिद्ध बीआईडीएमसी हार्वर्ड मेडिकल स्कूल से प्रशिक्षित हैं। वे औद्योगिक उन्नति की गहरी ज्ञान की शिक्षा देंगे जिससे न्यूरोलॉजिकल बीमारियों के उपचार में आगे कदम बढ़ने की उम्मीद है। तकनीकी टीम का नेतृत्व आईआईटी खड़गपुर के राजेश खैरकर करेंगे जिससे लैब की कार्यक्षमता प्रौद्योगिकीकरण के मौजूदा मानकों में शीर्ष पर रहेगी। प्रिंसिपल सुरेश गोयल ने टीम के सहयोगी प्रयासों की प्रशंसा की। चिकित्सा मनोविज्ञान के सहायक प्रोफेसर डॉ. आर्चिशा खिवसेरा ने टीएमसी की प्रमाण-आधारित प्रैक्टिस की व्याख्या की, जबकि मुर्ताजा, सुशील और इंद्रपाल ने रोगियों के प्रोटोकॉल का प्रदर्शन किया। ट्रांसक्रैनियल मैग्नेटिक स्टिमुलेशन (टीएमसी) मस्तिष्कीय और स्नायुतात्मक विकारों के इलाज में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। ब्रेन गतिविधि को संशोधित करके यह गैर-चिकित्सीय न्यूरोमोडुलेशन प्रदान करता है, जो डिप्रेशन, चिंता और अटल दर्द जैसी स्थितियों में सहायक होता है। स्नायुरोग में, टीएमसी स्ट्रोक पुनर्वास और पार्किंसन की बीमारी के प्रबंधन में मदद करता है, और मोटर विकारों को संबोधित करने में सहायक होता है। उद्घाटन समारोह में पिम्स के फैकल्टी मेम्बर्स, रेजीडेंट्स एवं आरएनटी मेडिकल कॉलेज, गीतांजलि मेडिकल कॉलेज एवं पेसिफिक मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल के चिकित्सक उपस्थित थे। पिम्स उमरड़ा में न्यूरोस्टिमुलेशन टेक्नोलॉजी लैब से एक नया अध्याय जुड़ गया है। यह लैब न्यूरोलॉजिकल बीमारियों से लड़ रहे व्यक्तियों के लिए आशा की नई किरण बन गई है।

उदयपुर में पारा 41, गर्मी से वार्ड पंच की मौतःचक्कर आने से गड्ढे में गिरी थीं

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर. झीलों की नगरी उदयपुर भी तप रही है। नौतपा के चौथे दिन मंगलवार को गर्मी और बढ़ी है। आज दोपहर 5 बजे उदयपुर शहर का अधिकतम तापमान 41 डिग्री है। उदयपुर में सुबह से अब तक 12 डिग्री तापमान बढ़ा है। उदयपुर में सोमवार को गर्मी से एक महिला वार्ड पंच की मौत का मामला सामने आया है। मंगलवार को उसका उदयपुर के एमबी अस्पताल में पोस्टमॉर्टम कराया गया। उदयपुर के कुराबड़ थाना क्षेत्र के छोटा भल्लो का गुड़ा निवासी वार्ड पंच दुर्गा गमेती (33) रोज की तरह खेत पर बकरियां चराने गई थी। जहां तेज गर्मी से उसका जी घबराया तो और वह छांव में जाकर बैठी लेकिन उसे चक्कर आए और पास के ही एक गड्ढे में गिर गई। बाद में पति और कुछ लोग उसे उदयपुर एक निजी अस्पताल लेकर पहुंचे जहां इलाज के दौरान मौत हो गई। आज दोपहर में उदयपुर के एमबी अस्पताल की मोर्चरी में परिजनों की ओर से रिपोर्ट पर पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंपा। परिजनों ने बताया कि तेज गर्मी से ही उसकी तबियत बिगड़ी। वार्ड पंच घनश्याम सालवी ने बताया कि वार्ड पंच दुर्गा की मौत गर्मी की वजह से ही हुई क्योंकि भरी गर्मी में ही उसे चक्कर आए। दूसरी तरफ पुलिस का कहना है कि परिजन गर्मी से ही मौत बता रहे है लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही कुछ कहा जा सकता है। एक दिन पहले सोमवार को उदयपुर ने गर्मी का 7 सालों का रिकॉर्ड तोड़ दिया और तापमान 45.4 डिग्री पहुंच गया। नौतपा से पहले गर्मी में सुबह-सुबह मौसम में ठंडक का एहसास रहता था लेकिन इन दिनों तो सुबह भी गर्मी का प्रभाव दिख रहा है। सबसे अहम बात यह है कि रातें भी गर्म होने लगी हैं। शाम बाद भी गर्म हवाएं लोगों को प्रभावित कर रही हैं। डबोक मौसम केंद्र ने सोमवार शाम को जारी अपनी रिपोर्ट में पिछले सात सालों से इस साल का सर्वाधिक तापमान 45.4 डिग्री दर्ज किया। इससे पूर्व साल 2016 में अधिकतम तापमान 46.4 डिग्री गया था।

छात्रनेता हिमांशु पंवार सहित 4 लोगों को भेजा जेल, टोल संचालक से हफ्ता वसूली व मारपीट का है आरोप

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट उदयपुर। कुराबड़ में टोल नाका संचालक से हफ्ता वसूली की धमकी देने और कर्मचारी के साथ मारपीट करने के मामले में गिरफ्तार छात्र नेता हिमांशु पंवार सहित चार जनों को कोर्ट ने 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। थानाधिकारी चैलसिंह ने बताया कि इरफान पुत्र अजमल काटात निवासी बोरवा बार ब्यावर ने मामला दर्ज करवाया था कि वे श्री सांवरिया परमदा पर नौकरी करते हैं। 26 मई को कुराबड की ओर से आई दो कारों जिनमें से एक बिना नम्बर की थी उसमें तीन से चार लड़के उतरे और धमकाया। महिपालसिंह ने कहा कि वह कुराबड का डोन है। शराब पीने के लिये पैसे चाहिए। मना किया तो चारों ने मारपीट कर दी। मौके पर राह जा रही गाड़ियां रूक गई तो बदमाश अपनी कारें लेकर फरार हो गए। इससे पहले भी आरोपियों ने टोल नाके के मालिक तुलसीराम के नम्बर लिए और फोन कर हफ्ता देने के लिए धमकाया। पुलिस ने मामला दर्ज कर थानाधिकारी के नेतृत्व में एएसआई जगनालाल, हैड कांस्टेबल कल्याण सिंह, शांतिलाल, कांस्टेबल शंकर लाल, पुष्कर लाल, मुकेश कुमार, रविराज सिंह, लोकेन्द्र सिंह, लोकेश कुमार, राजेन्द्र कुमार की टीम ने महिपाल सिंह पुत्र महेन्द्र सिंह कुराबड हाल नाकोडा नगर रकमपुरा, महेन्द्र पुत्र बाल कृष्ण साहू निवासी आजाद मोहल्ला कुराबड, शैतान सिंह पुत्र कल्याण सिंह निवासी आसावरा डबोक और हिमांशु पुत्र अशोक पंवार निवासी गांधी नगर मल्लातलाई को गिरफ्तार कर लिया।

भारत-भूटान समरसता सम्मेलन में होगा विष्णु पटेल का सम्मान

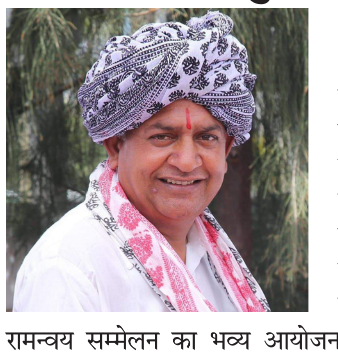

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट उदयपुर। भारत की शक्ति, प्रतिष्ठा, पंचशील सिद्धान्त को वैश्विक स्तर पर पहुँचाने के उद्देश्य से अन्तर्राष्ट्रीय समरसता मंच एंव राष्ट्रीय समता स्वतंत्र मंच के संयुक्त तत्वाधान में 15 जून 2024 को जयपुर शहर रोटरी भवन सभागार में भारत-भूटान समरसता सांस्कृतिक सामन्वय सम्मेलन का भव्य आयोजन किया जा रहा है। विवेक स्वामी सांस्कृतिक सचिव ने बताया कि 15 जून को सम्मेलन के समापन पर अन्तर्राष्ट्रीय समरसता मंच का एक सांस्कृतिक शिष्ट मण्डल भारत-भूटान समरसता सोशल मिशन यात्रा शुभारंभ 19 जून को थिम्फू (भूटान) पहुँचकर विश्व बन्धुत्व एकामहे के लिए समरसता का संदेश देंगे। रोटरी सभागार में 15 जून को आयोजित सम्मेलन विष्णु पटेल, समाज सेवक, जिला उदयपुर राजस्थान का भारत-भूटान समरसता अवार्ड से अभिनन्दन किया जायेगा प्रतिभा के सम्मान में सर्किट हाऊस जयपुर में लन्च दिया जायेगा। अन्तर्राष्ट्रीय समरसता मंच पिछले 15 वर्षों से भारत-नेपाल की वैदिक कालीन संस्कृति का पुर्न उत्थान हो, भारत पुनः वैदिक कालीन जगत गुरु के आसन पर पद् स्थापित हो, भारत को सुरक्षा परिषद् में विटो पावर के साथ स्थाई सदस्यता मिले, अयोध्या को संयुक्त राष्ट्र संघ का मुख्यालय बनाया जावे 7300 दिवसीय कार्ययोजना के अन्तर्गत कार्य कर रहा है। मुख्य सलाहकार कुलदीप प्रसाद शर्मा एडवोकेट ईस्ट-वेस्ट लॉ फर्म काठमाण्डो ने बताया कि कार्य योजना को 22 राष्ट्रों भारत, नेपाल, भुटान, अफगानिस्तान, अल्जीरिया, एंगोला, ऑस्ट्रिया, कोएशिया, फिनलैण्ड, तुनिशियाँ, जर्मनी, ईराक, इजराईल, मैकडोनिया, मोरक्को, नीदरलैण्ड, नाईजीरिया, नार्वेजियन, रोमानिया, रायल डेनिश, श्रीलंका, मालदीव ने अपना नैतिक समर्थन प्रदान किया गया हैं। भारत-भूटान समरसता अवार्ड प्रतिभा विष्णु पटेल का चयन कर्म स्थली से विकास तक सेवा कार्यों का अवलोकन कर अनवरत परिश्रम पर चयन किया गया है।

डेरा मैनेजर की हत्या के केस में राम रहीम बरी, सीबीआई कोर्ट का फैसला हाईकोर्ट ने किया रद्द

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट. चंडीगढ़। पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट ने डेरा सच्चा सौदा प्रमुख राम रहीम सहित 5 लोगों को डेरा मैनेजर रणजीत सिंह हत्याकांड में बरी कर दिया है। राम रहीम सहित 5 आरोपियों को सीबीआई की कोर्ट ने उम्रकैद की सजा सुनाई थी। राम रहीम अभी रोहतक की सुनारिया जेल में बंद है और 3 मामलों में सजा काट रहे हैं। पत्रकार रामचंद्र छत्रपति की हत्या और साध्वियों के यौन शोषण के केस में अभी वह जेल में ही रहेगा। पत्रकार की हत्या के मामले में उम्रकैद और यौन शोषण के 2 मामलों में 10-10 साल की कैद पहले ही हो चुकी है। ऐसे में इस मामले में बरी होने के बावजूद राम रहीम को जेल में ही रहना होगा। इस मामले में बताया गया कि कुरुक्षेत्र के डेरे के मैनेजर रणजीत सिंह की गोली मारकर 10 जुलाई 2002 को हत्या कर दी गई। रणजीत सिंह के बेटे जगसीर सिंह ने जनवरी 2003 में हाईकोर्ट में याचिका दायर की। 2003 में जांच सीबीआई को सौंपी गई। 19 साल के बाद अक्टूबर 2021 में डेरा मुखी समेत 5 आरोपियों को दोषी करार दिया गया। इन्हें उम्रकैद की सजा दे दी। सजा मिलने के तीन साल बाद राम रहीम हाईकोर्ट से बरी हो गया।

35 साल की बहू ने 70 साल के ससुर को कुल्हाड़ी से काट डाला

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट अजमेर। अजमेर जिले के श्रीनगर थाना क्षेत्र में बहू ने कमरा बंद कर दिया और बुजुर्ग ससुर को कुल्हाड़ी से बेरहमी से काट दिया। बहू ससुर को अपने साथ रखना नहीं चाहती थी, जबकि पति अपने पिता को साथ में रखना चाहता था। इसको लेकर महिला का अपने पति से अक्सर झगड़ा होता रहता था। पति जब काम पर गया तो महिला ने वारदात को अंजाम दे दिया। थाना प्रभारी जसवंत सिंह ने बताया कि रावत मोहल्ला के गोकुल (70) पुत्र नारायण बेटे लक्ष्मण-बहू गुड्डी देवी (35) के साथ रहते थे। महिला के पति ने बताया कि शादी के बाद से ही गुड्डी उसके पिता कोघर में साथ नहीं रखना चाहती थी। ऐसे में बार-बार झगड़ा करती थी। 25 मई को लक्ष्मण और गुड्डी के बीच में झगड़ा हुआ। लक्ष्मण अपने काम पर चला गया। उधर गोकुल नरेगा में मजदूरी करने के बाद सुबह करीब 11 बजे घर आया तो बहू ने मौका देखकर घर के दरवाजे बंद कर दिए, कुल्हाड़ी लाई और ससुर की हत्या कर दी। बुजुर्ग की चीख सुनकर पड़ोसियों ने लक्ष्मण को सूचना दी। लक्ष्मण घर आया तो दरवाजा बंद था। पड़ोसियों की मदद से छत से दरवाजे को तोड़कर अंदर गया। लहूलुहान पिता को देख चीख उठां उसे लेकर श्रीनगर हॉस्पिटल गया। प्राथमिक इलाज के बाद अजमेर रेफर किया गया, जहां इलाज के दौरान सोमवार रात मौत हो गई।

पहलगाम हमले में दो 'हाइब्रिड आतंकी' गिरफ्तार

24 न्यूज अपडेट

अनंतनागः जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में सुरक्षा बलों ने मंगलवार को दो 'हाइब्रिड आतंकवादियों' को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से हथियार और गोला-बारूद बरामद किए गए हैं। हालांकि अभी तक यह पता नहीं चल पाया है कि गिरफ्तार किए गए आतंकी 18 मई को पहलगाम में राजस्थान के एक पर्यटक जोड़े पर हुए आतंकी हमले में शामिल थे या नहीं। पुलिस सूत्रों ने ईटीवी भारत को बताया कि जम्मू-कश्मीर पुलिस, सेना की 3 आरआर और सीआरपीएफ सहित सुरक्षा बलों ने दो हाइब्रिड आतंकवादियों को गिरफ्तार किया है. उनकी पहचान वसीम अहमद शाह और अदनान अहमद बेघ के रूप में हुई है. दोनों अनंतनाग के रहने वाले हैं। वसीम और अदनान एसके कॉलोनी का निवासी हैं. उनके कब्जे से एक पिस्तौल, एक मैगजीन और 8 राउंड, 1 ग्रेनेड और 120 एके राउंड बरामद किए गए. दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल पहलगाम के यान्नेर इलाके में 18 मई को राजस्थान के पर्यटक जोड़े तबरेज और फराह पर हमला हुआ था. अभी यह देखा जाना बाकी है कि गिरफ्तार किए गए दोनों आतंकी इस हमले में शामिल थे या नहीं। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने अभी तक इस संबंध में कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है।

आस-पास भी देखें, कोई अमीरजादा हिट एंड रन में छूट तो नहीं गया

पुणे पोर्श केस के बाद चली देशव्यापी मुहिम, पुणे में सरकारी अस्पताल में बदला गया सैंपल, नाबालिग के बिल्डर पिता ने डॉक्टरों को दी 3 लाख की घूस दी, ब्लड सेंपल बदले

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट उदयपुर/जयपुर। 18 मई की रात को पुणे में पोर्श कार एक्सीडेंट केस हुआ था जिसके बाद हिट एंड रन मामले में पूरे सिस्टम ने जो वीआईपी ट्रीटमेंट दिया और हत्यारों का सपोर्ट किया, उससे देश की कानून व्यवस्था की पोल खुल गई है। स्थानीय विधायक का सुबह 6 बजे थाने आना, थाने में हत्या करने वाले को पिज्जा सर्व होना, 24 घंटे से पहले बेल मिल जाना। बच्चे के दादा का ड्राइवर को बंधक बनाना, दबाव बनाना कि वो एक्सीडेंट अपने माथे पर ले ले। और तो और अस्पताल में सस्पेंड डाक्टरों द्वारा 3 लाख की घूस लेकर ब्लड सेंपल तक बदल देना। यही नहीं सजा के तौर पर शहजादे को 300 शब्दों का निबंध लिखने का पनिशमेंट। यह सब बताता है कि सब कुछ बिका हुआ है। इस घटना के बाद यदि सोशल मीडिया पर दबाव नहीं बनता तो ये सभी किरदार सामने ही नहीं आते। मगर अब आ गए हैं तो पूरे देश में एक मुहिम चली हुई है कि आप भी जरा अपने आस-पास देखें कि कहीं कोई हिट एंड रन केस में अमीरजादा आपके शहर में ऐसा तो करके नहीं चला गया हैं। जैसे कहीं कोई किसी को अपनी गाड़ी से हिट करके भाग गया हो और अब तक मुंह छिपाता फिर रहा हो। कहीं किसी सिस्टम ने सपोर्ट करते हुए बडे बडे सुबूतों से छेड़छाड़ तो नहीं कर दी हो। कहीं कोई फेक वाहन या ड्राइवर तो खड़ा नहीं कर दिया हो। या फिर पैसों और पावर के दम पर कहीं किसी ने तथ्यों को ही तो नहीं बदल दिया हो। यदि ऐसा है और आपके पास भी कोई सुबूत है तो फिर उठ खड़े होइये क्योंकि अगला नंबर आपका हो सकता है। सोशल मीडिया की इस मुहीम को व्यापक समर्थन मिलने के बाद यह सामने आया है कि कुछ मामलों में तत्काल एक्शन हो गए हैं जो बरसों से पेंडिंग थे। सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर कह रहे हैं कि चाहे कोई कितना भी पावरफुल क्यों ना हो, पूरा सिस्टम उसके साथ क्यों न हो। जनता जिस दिन चाहेगी, न्याय तो होकर रहेगा।

पुणे के मामले में भी लगातार नए खुलासे हो रहे हैं। पुलिस कमिश्नर अमितेश कुमार ने बताया कि नाबालिग आरोपी के पिता ने बेटे की शराब पीने की बात छिपाने के लिए ब्लड सैंपल बदलवाया था। पिता विशाल अग्रवाल ने सरकारी अस्पताल के कर्मचारी को 3 लाख रुपए दिए थे। उसने फोरेंसिक हेड डॉ. अजय तावरे और डॉ. श्रीहरि हैलनोर तक ये रकम पहुंचाई थी। पिता ने डॉ. अजय तावरे से इसके लिए फोन पर बात भी की थी। हैलनोर ने पुलिस के सामने कबूला कि डॉ. तावरे के कहने पर ही उसने ओरिजनल ब्लड सैंपल डस्टबिन में फेंका था। इसके बाद उसने किसी अन्य शख्स के ब्लड सैंपल से रिपोर्ट बनाई, जिससे नाबालिग के नशे में होने की बात छिपाई जा सके। दोनों डॉक्टर और कर्मचारी अतुल घटकांबले को गिरफ्तार कर लिया गया है। कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि टिंगरे ने पुणे पुलिस की जांच में हस्तक्षेप करने की कोशिश की थी। टिंगरे ने पुलिस को फोन कर नाबालिग पर कम सख्ती करने की मांग की थी। हालांकि, टिंगरे ने इन सब आरोपों को निराधार बताया है। मामले में जांच के लिए सोमवार रात 3 मेंबर की कमेटी भी गठित की गई है। महाराष्ट्र मेडिकल एजुकेशन के कमिश्नर राजीव निवतकर ने कमेटी के गठन का आदेश जारी करने के बाद ससून अस्पताल के डीन डॉ. विनायक काले को जांच में सहयोग करने का आदेश दिया। पुलिस कमिश्नर अमितेश कुमार ने कहा कि घटना के बाद हमने नाबालिग के ऐल्कोहॉल ब्लड टेस्ट 2 अलग-अलग अस्पताल में कराए थे। ससून अस्पताल में कराई गई जांच में रिपोर्ट निगेटिव आई थी, लेकिन दूसरे अस्पताल से मिली रिपोर्ट से उसके नशे में होने की पुष्टि हुई थी। पब के सीसीटीवी में भी वह शराब पीते दिखा था।

शिक्षामंत्री दिलावर बोले प्रदेश की स्कूलों में शिक्षकों की कमी :रिक्त पदों को भरने के लिए सीएम से की बात

24 न्यूज अपडेट

जोधपुर। राजस्थान सरकार के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर मंगलवार को जोधपुर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने प्रदेश में शिक्षा विभाग से जुड़े सवाल पर कहा की राज्य में अध्यापकों की कमी है। इसकी एक वजह ये भी है की कई जगहों पर विद्यार्थियों की कमी के बावजूद अधिक शिक्षक लगा दिए गए हैं। कई जगहों पर शिक्षक डेपुटेशन पर थे जिन्हे रद्द किया गया। राज्य में शिक्षकों के खाली पदों को जल्द भरा जाएगा इसको लेकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से भी उनकी चर्चा हुई है। उन्होंने रिक्त पदों को जल्द भरने का आश्वासन दिया है।

प्रदेश में इंग्लिश मीडियम स्कूलों को लेकर पूछे सवाल पर कहा की इसकी समीक्षा की जा रही है। यदि इससे छात्रों को फायदा होगा तो आगे का कदम उठाया जाएगा, लेकिन यदि छात्रों को यदि इनसे नुकसान हो रहा है तो विचार किया जाएगा।

दिलावर ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लेकर कहा की इसमें पढ़ाई के साथ साथ रोजगार की शिक्षा भी दी जाएगी जिससे छात्र पढ़ाई के साथ ही रोजगार भी प्राप्त कर सकें। उन्होंने सभी से एक पेड़ देश के नाम लगाने का आह्वाहन किया। कहा यदि आप इस देश, धरती माता से प्यार करते हैं तो एक पेड़ जरूर लगाएं। उन्होंने कहा की अमृत पर्यावरण महोत्सव के तहत गांव में पौधों की रक्षा करने के लिए 200 पौधे पर नरेगा कर्मी को जिम्मेदारी दी जाएगी।

इससे पूर्व शिक्षा मंत्री ने जोधपुर के कुड़ी में एक समारोह में बोर्ड परीक्षाओं में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाली प्रतिभाओं का सम्मान किया। उन्होंने अपने संबोधन में शिक्षा में संस्कारों की बात कहीं। वहीं पर्यावरण संरक्षण को लेकर हुए संतों के सम्मेलन में भी हिस्सा लिया।

पूर्व आईएएस अफसर के दो ड्राइवरों ने की थी पत्नी को हत्या, लूट के लिए घर में घुसे थे

24 न्यूज अपडेट

लखनऊः मंगलवार को राजधानी के इंदिरानगर में पूर्व आईएएस अफसर देवेंद्र नाथ दुबे की पत्नी मोहिनी दुबे हत्याकांड का लखनऊ पुलिस ने खुलासा कर दिया. पूर्व आईएएस के ड्राइवर अखिलेश और उसके भाई रवि ने ही मोहिनी दुबे की थी. पुलिस ने अखिलेश, रवि और एक अन्य को गिरफ्तार किया है। लखनऊ पुलिस के मुताबिक, गाजीपुर थानांतर्गत इंदिरानगर में शनिवार सुबह पूर्व आईएएस अधिकारी देवेंद्र नाथ दुबे की दूसरी पत्नी मोहिनी दुबे की हत्या लूट के इरादे से की गई थी. देवेंद्र नाथ दुबे के दोनो ड्राइवर अखिलेश और रवि ने उनके घर में रखे कैश और गहने लूटने के इरादे से एंट्री की थी, लेकिन मोहिनी दुबे ने उन्हें देख लिया. विरोध करने पर उन्होंने दुपट्टे से गला घोंटकर हत्या कर दी. मंगलवार को लखनऊ के गाजीपुर इलाके में कल्याण अपार्टमेंट के पीछे मुठभेड़ में तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया. बता दें, इंदिरा नगर के सेक्टर-20 में शनिवार को पूर्व आईएएस अधिकारी देवेंद्र नाथ दुबे की 58 वर्षीय पत्नी मोहिनी दुबे की हत्या कर दी गई थी। उनका शव बाथरूम में बने चेंजिंग रूम में मिला था. वारदात के वक्त देवेंद्र नाथ दुबे घर पर नहीं थे, वो गोल्फ खेलने गए थे। जब वो वापस आए तो उन्होंने पत्नी मोहिनी की लाश देखी थी।

राजस्थान में भारत-पाक बॉर्डर पर रहस्यमयी बीमारी:बच्चे-बुजुर्गों के हाथ-पैर हो रहे टेढ़े, मानसिक रोग, आंखों की रोशनी जा रही

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट जयपुर। बाड़मेर दुनिया के सबसे गर्म शहरों में से एक। इन दिनों यहां तापमान 48 से 49 डिग्री के बीच है। ऐसी प्रचंड गर्मी में डॉक्टर्स एक सलाह जरूर देते हैं- ज्यादा से ज्यादा पानी पीएं ताकि आपका शरीर डिहाइड्रेट न हो। उलेकिन ये पानी ही भारत-पाक बॉर्डर पर बसे बाड़मेर के कई गांवों में परेशानी का कारण बना हुआ है। नवजात मानसिक रोग का शिकार हो रहे हैं। बच्चों से लेकर बुजुर्गों के हाथ-पैर टेढ़े हो रहे हैं। लोगों की आंखों की रोशनी तक जा रही है। गांव के लोगों और डॉक्टर्स का दावा है कि ये सब बेरियों (छोटा कुआं) से निकलने वाला पानी पीने की वजह से हो रहा है इसको लेकर गांव में रिसर्च भी की गई थी। डॉक्टर और साइंटिस्ट भी पता नहीं लगा पाए कि बीमारी की वजह क्या है? गांव में 20 साल से बीमारी का प्रकोप है। हाल ये है कि हर घर में एक से दो मरीज मिल जाएंगे। लोग बीमारी से बचने के लिए भोपों (झाड़-फूंक करने वाले) की शरण में भी जा रहे हैं। पादरिया गांव बाड़मेर से करीब 85 किलोमीटर की दूरी पर है। मुनाबाव को जाने वाले हाईवे से हम पादरिया गांव के रास्ते पर निकले। करीब 47 डिग्री के तापमान में हाईवे बिल्कुल सुनसान था। रेत के टीलों से बालू सरकती हुई हाईवे पर आ रही थी। थोड़ा आगे बढ़ने पर एक दुकान दिखी। वहां पादरिया गांव का रास्ता पूछा तो दुकानदार बोला- 'बीमारों वाला गांव? आप सीधे चले जाओ। आगे ऊंचे टीले पर बसा हुआ है गांव।'

पिता और बेटी दोनों बीमारी से जूझ रहे

55 साल के सारंगाराम हाथ-पैरों में टेढ़ापन था। पीठ झुकी हुई थी। इस वजह से सीधे नहीं चल पा रहे थे। अपने घर लेकर गए तो उनकी 14 साल की बेटी तेजी नीचे बैठी दिखाई दी। उसे खड़ा होने के लिए बोला तो सिर हिलाने लगी। उसकी मां ने उसे उठाया और लोहे की बैसाखी के सहारे लेकर आई। बोलीं- 'पता नहीं, कैसे कर्म किए हैं जो हमारी बच्ची की ऐसी हालत हो गई। 14 साल की है। चलना तो दूर, खड़ी भी नहीं हो पाती। बाड़मेर से जोधपुर तक इलाज कराया लेकिन बीमारी का पता नहीं चला। अब पिछले एक साल से धीरे-धीरे आंखों की रोशनी भी खत्म हो रही है।' सारंगाराम ने बताया कि इलाज पर 4 लाख से ज्यादा खर्च कर चुके हैं। बाड़मेर और जोधपुर के कई अस्पतालों में इलाज करा चुके हैं। लोगों ने कहा कि देवी-देवताओं का प्रकोप हो रहा है, तो भोपों की शरण में भी गए। किसी ने बोला कि देवताओं को भेंट चढ़ाओ। गांव के लोग मिलकर मुर्गों से लेकर बकरे की बलि देने लग गए, लेकिन बीमारी दूर नहीं हुई। पादरिया गांव की आबादी करीब 1 हजार है। लोगों को पता चला कि मीडियावाले आए तो अपना दर्द बयां करने कई लोग सारंगाराम के घर पहुंच गए। बताया- गांव में 60 से ज्यादा बच्चे, बूढ़े व महिलाएं इस बीमारी की चपेट में आ चुके हैं। कई की मौत हो चुकी है। ऐसा कोई घर नहीं बचा, जहां इस अजीब रहस्यमय बीमारी ने लोगों को जकड़ नहीं रखा हो। दिव्यांगता के सर्टिफिकेट तो बांटे जा रहे हैं, लेकिन बीमारी की रोकथाम के उपाय नहीं किए जा रहे। 0 साल पहले एक-दो लोगों को ये बीमारी हुई थी। अब कई लोग इसकी चपेट में हैं। खासकर छोटे बच्चे। कई बच्चे जन्म के 2 से 3 साल बाद इस बीमारी की चपेट में आ चुके हैं।

पानेरियों की मादड़ी के फर्जी पट्टेधारियों को बड़ा झटका, कोर्ट ने खारिज किया निषेधाज्ञा वाद

उदयपुर विकास प्राधिकरण के वरिष्ठ अधिवक्ता पोनमसिंह राठौड़ ने की प्रभावी पैरवी

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट उदयपुर। उदयपुर विकास प्राधिकरण में भूमाफियाओं की ओर से एक ठेकाकर्मी के माध्यम से बनाए लिए गए फर्जी पट्टे के मामले में आज फर्जी पट्टधारियों को बड़ा झटका लगा जब शहर के सिविल न्यायालय दक्षिण ने निषेधाज्ञा का वाद खारिज कर दिया। फर्जी पट्टा प्राप्त करने वालों की ओर से यूडीए के खिलाफ वाद पेश कर अंतरिम निषेधाज्ञा का अनुतोष मांगा गया था मगर अदालत ने यूआईटी के अधिवक्ता की दलीलें सुनने के बाद स्टे देने से मना कर दिया। इससे पहले सोमवार को यूडीए की ओर से अदालत में जवाब पेश किया गया था और सुनवाई पूर्ण कर कोर्ट ने फैसला मंगलवार तक के लिए सुरक्षित रखा था। सिविल न्यायालय दक्षिण में फूलशंकर पुत्र अम्बालाल मेनारिया निवासी पानेरियों की मादड़ी मनवाखेड़ा और गोपालनाथ पुत्र गोविन्दनाथ निवासी मादड़ी पानेरियान की ओर से उदयपुर विकास प्राधिकरण जरिये आयुक्त के खिलाफ यह वाद पेश किया गया था। उदयपुर विकास प्राधिकरण के अधिवक्ता पोनमसिंह राठौड़ ने बताया कि पट्टे निरस्त नहीं करने के लिए कोर्ट में जो अस्थायी निषेधाज्ञा का प्रार्थना पत्र आया था वो आज खारिज हो गया है। इसमें अधिवक्ता पोनमसिंह राठौड़ की ओर से प्रभावी बहस करते हुए तथ्य रखे गए। प्राधिकरण की ओर से उपलब्ध करवाए गए दस्तावेज व निरस्तीकरण का आदेश, कमिश्नर राहुल जैन की ओर से स्वयं इस मामले में मॉनिटरिंग करते हुए उपलब्ध करवाए दस्तावेजों के आधार पर आर्ग्यूमेंट किया व प्रभावी पक्ष रखा गया। बताया गया कि पट्टा फर्जी आधारों पर लिया गया। पट्टे के साथ जो मेंडेटरी डॉक्यूमेंट है व उसमें जो घोषणाएं हैं वे सारीं झूठी की गई हैं। उदयपुर विकास प्राधिकरण की ओर से संबंधित पक्ष को 13 मई, 2024 को जो नोटिस दिया गया था, उसका भी ढंग से जवाब नहीं दिया। ऐसे में पट्टा यूडीए की ओर से निरस्त किया गया। उसके खिलाफ सिविल न्यायालय शहर दक्षिण में अस्थायी निषेधाज्ञा का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया था। प्राधिकरण की ओर से एडवोकेट पोनमसिंह राठौड़ ने बहस की गई जिसे सुनने के बाद न्यायालय ने फूलशंकर पुत्र अंबालाल मेनारिया और गोपालनाथ पुत्र गोविंदनाथ का आवेदन अस्वीकार कर खाजिर कर दिया। न्यायालय से इन्हें कोई रिलीफ नहीं मिली। आपको बता दें कि प्राधिकरण ने मौके पर प्रॉपर्टी का कब्जा भी ले लिया है। गौरतलब है कि रविवार को ही यूडीए आयुक्त के निर्देश पर अधिकारी हरकत में आ गये व प्राधिकरण आयुक्त राहुल जैन के आदेश पर आनन-फानन में जवाब तैयार करवाया गया। उपायुक्त जितेन्द्र ओझा ने जांच कर नगरीय विकास विभाग के नियमों एवं परिपत्रों का हवाला देते हुए बताया कि राजस्व ग्राम पानेरियों की मादड़ी में जिस आराजी में पट्टे जारी हुए हैं वह आराजी न्यास के स्वामित्व की है तथा पट्टों की पत्रावलियां भी न्यास कार्यालय से गायब हो गई हैं। इस बारे में अम्बामाता थाने में मामला दर्ज करवाया गया व कम्प्यूटर ऑपरेटर भरत लौहार को रिमांड पर लेकर पुलिस ने पूछताछ की तो फर्जी पट्टे जारी कराने वाले भूमाफियाओं के नाम सामने आ रहे हैं। आपको यह भी बता दें कि राजस्व ग्राम पानेरियो की मादड़ी में खसरा संख्या 1633, 1710, 1713 में 7270 गोपालनाथ का वर्गगज का आवासीय भूखण्ड हैं। इसका पट्टा 14 दिसम्बर 2023 को यूडीए ने जारी किया हैं, फूलशंकर मेनारिया को इसी आराजी में 4937 वर्गफीट का पट्टा मिला था। पट्टों को यूडीए ने राज्य सरकार के परिपत्र 1 जुलाई 2022 के क्रम में मानते हुए जारी किया था। इस आदेश को देखें तो 31 दिसम्बर 2013 से पूर्व आवासीय मकान बना हुआ होने पर पट्टा जारी किया जा सकता है। जांच में मौके पर न तो कब्जा मिला, न ही कोई भवन बना हुआ था। ऐसे में झूठे दस्तावेज पेश कर पट्टा जारी करवाना पाया गया और 23 मई 2024 को आयुक्त ने पट्टों को ही निरस्त कर दिया।

मेनका गांधी की दखल के बाद एनिमल प्रोटेक्शन सोसाइटी ने कराया श्वानों को आजाद

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट उदयपुर। आईआईएम में अक्टूबर 2023 से उदयपुर एनिमल फीड संस्था के सहयोग से शेल्टर बना कर रखे गए श्वानों को आजाद करवाया गया। उदयपुर की एनिमल प्रोटेक्शन सोसाइटी की ओर से जारी विज्ञप्ति में बताया गया कि जीव जंतु कल्याण बोर्ड को शिकायत दर्ज करवाई थी। राज्य जीव जंतु कल्याण बोर्ड ने डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर उदयपुर को श्वानों को मुक्त करवाने और एनिमल वेलफेयर कमीटी बनाने के लिए 5 जनवरी 2024 को पत्र जारी किया था। एनिमल हसबेंडरी डिपार्टमेंट ने उस समय शेल्टर के गेट खुले होने की रिपोर्ट दी। इस पर एनिमल प्रोटेक्शन सोसाइटी की अध्यक्ष डॉ माला मट्ठा ने राज्य जीव जंतु कल्याण बोर्ड को फिर से अवगत करवाया कि शेल्टर के गेट बंद ही हैं। तब बोर्ड ने फिर से 29 फरवरी 2024 पत्र जारी किया। एनिमल वेलफेयर समिति बनाने के लिए और 15 दिन में अवगत करवाने के लिए कहा था। इस पत्र पर भी पशु पालन विभाग के जॉइंट डायरेक्टर ने कोई कार्यवाही नहीं की। अंततः एनिमल प्रोटेक्शन सोसाइटी ने सांसद मेनका गाँधी से मदद ली और 6 महीने बाद मंगलवार को श्वानों को आजाद किया गया। संस्था की टीम में भवानी सिंह राठौड़ निदेशक, पशुपालन विभाग , मनीष सक्सेना ,मेंबर राज्य जीव जंतु कल्याण बोर्ड, मेनका गाँधी और एडवोकेट महादेव सिंह चौहान का धन्यवाद् किया गया। टीम से राज सिंह भाटी ,रुक्मणि जैन,किरण भावसर,अविचल गाँधी ,भावना जैन और डॉ माला मट्ठा को भी आभार जताया गया। संस्था अध्यक्ष डॉ माला मट्ठा ने अपील की गई कि कि पशु क्रूरता में शामिल लोगों को सहयोग न करें और साथ ही सरकार से मांग की गई कि जल्द से जल्द एनिमल वेलफेयर समिति का गठन किया जाये तकि भविष्य में इस तरह कि पशु क्रूरता को समय रहते रोका जा सके।

राजस्थान में डॉक्टर ने खराब किडनी की जगह निकाल दी सही किडनी, अस्पताल का रजिस्ट्रेशन सस्पेंड, जांच के लिए कमेटी गठित

24 न्यूज अपडेट

झुंझुनू/जयपुर. राजस्थान में झुंझुनू के नूआं गांव में एक मरीज की संक्रमित किडनी की जगह सही किडनी निकालने का मामला सामने आया है. मरीज का ऑपरेशन झुंझुनू के धनखड़ हॉस्पिटल में हुआ है. मरीज की हालत गंभीर है और अभी डायलिसिस भी किए जाने की स्थिति नहीं है । पीड़िता नूआं की ईद बानो को पेट में कभी भी तेज दर्द हो जाता था. बानो के पति शब्बीर ने बताया कि स्टोन का दर्द हुआ था तो इस बार भी धनखड़ हॉस्पिटल के इंचार्ज डॉ. संजय धनखड़ के पास गए तो उन्होंने कहा कि स्टोन का बार-बार दर्द होगा, इसलिए किडनी निकाल देते हैं. यह नहीं निकाली गई तो किडनी खराब हो जाएगी और जिंदगी भर दर्द होता रहेगा. डॉक्टर ने 15 मई को सर्जरी की और 17 मई को मरीज के पेशाब में मवाद आने लगा और दर्द बढ़ गया. परिजनों ने डॉक्टर से पूछा तो उसने जयपुर जाने को कहा और चेताया कि एसएमएस में सर्जरी को लेकर कुछ मत बताना. परिजनों ने मरीज को 21 मई को जयपुर में भर्ती कराया, जांच में पता चला कि बाईं ओर की किडनी निकाली गई है, जबकि संक्रमण दाईं ओर की किडनी में था. अब पीड़िता की घर पर गंभीर हालत बनी हुई है ।

बवाल बढ़ता देख आरोपी डॉक्टर परिजनों के पास पहुंचा, बोला- इलाज मैं करा दूंगा : वहीं, घटना का पता चलने पर बवाल शुरू हो गया. बवाल बढ़ता देख आरोपी डॉक्टर पीड़िता के घर पहुंचा और बोला कि वह महिला का इलाज करा देगा. वहीं, पूरा गांव महिला का हालचाल पूछने आ रहा है, जिस पर बानो बेटा बिलाल और बेटी यास्मीन सहमे हुए हैं. पूछते हैं कि अम्मी को क्या हुआ है, वे सही तो हैं ना. इतने लोग मिलने क्यों आ रहे हैं । घर में मां ठीक थीं, अस्पताल जाकर क्या हो गया । **अस्पताल को सील करने की करवाई** : झुंझुनू जिला कलेक्टर चिन्मयी गोपाल ने बताया कि राजकीय भगवानदास खेतान अस्पताल की चिकित्सकों की टीम भेजकर मामले की जांच करवा रहे हैं और धनखड़ अस्पताल में भर्ती मरीजों को बीडीके अस्पताल में भर्ती करवाया जा रहा है. वहीं, धनखड़ अस्पताल को सील करने की करवाई की जा रही है. पीड़िता के पिता ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से आरोपी अस्पताल संचालक और डॉक्टर के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है, ताकि किसी और मरीज के साथ निजी अस्पतालों के डॉक्टर ऐसी लापरवाही ना कर सकें । अस्पताल का रजिस्ट्रेशन सस्पेंड, जांच के लिए कमेटी गठित : झुंझुनू के धनखड़ हॉस्पिटल में महिला की गलत किडनी निकालने से जुड़े मामले को लेकर चिकित्सा विभाग ने एक्शन लिया है और अस्पताल का रजिस्ट्रेशन सस्पेंड कर दिया गया है. मामले को लेकर चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर का कहना है कि मामला काफी गंभीर है, जिसके बाद अस्पताल का रजिस्ट्रेशन सस्पेंड करने के साथ ही विभिन्न सरकारी योजनाओं की लिस्ट से अस्पताल का नाम हटा दिया गया है ।

कर्नाटकः अश्लील वीडियो लीक मामले में SIT ने दो आरोपियों को किया गिरफ्तार

24 न्यूज अपडेट

बेंगलुरुः कर्नाटक के चर्चित रेवन्ना अश्लील वीडियो मामले की जांच कर रही एसआईटी ने अश्लील वीडियो वाली पेन ड्राइव बांटने के आरोप में दो लोगों, नवीन गौड़ा और चेतन को गिरफ्तार किया है. जेडीएस कार्यकर्ता पूर्णचंद्र ने नवीन गौड़ा और अन्य के खिलाफ हासन के सीईएन स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि सांसद प्रज्वल रेवन्ना की तस्वीरों और वीडियो के साथ छेड़छाड़ की गई है और उन्हें पेन ड्राइव और सीडी के जरिए वितरित किया गया है.

कर्नाटक अश्लील वीडियो मामला

इस मामले में आरोपी की ओर से हाईकोर्ट मेंअग्रिम जमानत याचिका दायर की गई है. जानकारी के मुताबिक, कोर्ट में आये दोनों आरोपी नवीन गौड़ा और चेतन को एसआईटी अधिकारियों ने हिरासत में ले लिया. बता दें कि, जेडीएस के प्रदेश अध्यक्ष एचडी कुमारस्वामी समेत कई लोगों ने आरोपियों को गिरफ्तार करने का आग्रह किया है. आखिरकार आज एसआईटी अधिकारियों ने दोनों आरोपियों (नवीन और चेतन) को हिरासत में ले लिया.

कर्नाटक में सियासत गर्म

कथित अश्लील वीडियो कांड के आरोपी सांसद प्रज्वल रेवन्ना को पकड़ने के लिए देश के प्रमुख हवाई अड्डों पर पुलिस की टीमें सतर्क हैं. दूसरी तरफ कर्नाटक के गृह मंत्री ने कहा कि जेडीएस सांसद और अश्लील वीडियो मामले के मुख्य आरोपी प्रज्वल रेवन्ना को उनके भारत आगमन पर हवाई अड्डे पर गिरफ्तार करने का निर्णय विशेष जांच दल (एसआईटी) द्वारा लिया जाएगा. गौरतलब है कि एक वीडियो जारी कर दावा किया गया है कि प्रज्वल रेवन्ना 31 मई को एसआईटी के समक्ष पेश होंगे.यह पूछे जाने पर कि अगर प्रज्वल आत्मसमर्पण करना चाहता है तो क्या होगा, गृहमंत्री परमेश्वर ने कहा, 'ब्लू कॉर्नर नोटिस पहले ही जारी किया जा चुका है, नोटिस दिए जा चुके हैं और बाद में आरोप पत्र तैयार किया जाएगा. अब हमें सच्चाई का पता लगाना होगा.' प्रज्वल रेवन्ना के डिप्रेशन में जाने को लेकर उन्होंने कहा, ''मुझे इसके बारे में नहीं पता। मैंने वह वीडियो भी देखा, जिसमें उन्होंने कहा है कि वह 31 मई को सुबह 10 बजे एसआईटी के समक्ष पेश होंगे। फिर कानून की कार्यवाही शुरू की जाएगी.'